

# व्यक्तिगत कुंडली विश्लेषण

## एवं प्रश्नोत्तर रिपोर्ट

करियर-व्यवसाय · विवाह · भूमि-भवन · दशा · उपाय

*Personalised Horoscope Analysis & Question-Answer Report — Hindi | English*

| | |
|---|---|
| जातक | [illegible] |
| जन्म | [illegible] |
| लग्न · राशि | मेष · सिंह |
| नक्षत्र | पूर्वफाल्गुनी, चरण 2 |
| भाषा | हिन्दी + English |

**डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा एवं टीम**

सात पीढ़ियों की शास्त्र-परम्परा

नमूना — काल्पनिक जन्म-विवरण पर बना; पहचान वाले खाने जानबूझकर धुँधले

आरम्भ से पहले

# यह रिपोर्ट कैसे बनी

आपने बुकिंग के समय तीन प्रश्न लिखकर भेजे थे। यह रिपोर्ट उन्हीं प्रश्नों के इर्द-गिर्द बनी है। पहले आपकी कुंडली का ढाँचा, फिर हर प्रश्न का अलग उत्तर — कारण सहित, समय सहित, और क्या करें इसकी सूची सहित।

कोई भी बात किसी दूसरे की रिपोर्ट से नहीं ली गई। हर निष्कर्ष के साथ लिखा है कि वह कुंडली में कहाँ से निकला — ताकि आप स्वयं भी उसे देख सकें।

## इस रिपोर्ट में


| खण्ड | क्या मिलेगा | पृष्ठ |
|---|---|---|
| 1. आपके प्रश्न | आपके अपने शब्दों में | 3 |
| 2. जन्म-पत्रिका | जन्म-विवरण, अवकहड़ा, लग्न व चन्द्र कुंडली, ग्रह-स्पष्ट | 4–6 |
| 3. कुंडली का सार | व्यक्तित्व, ग्रह-स्थिति का प्रभाव, प्रमुख योग | 7–9 |
| 4. प्रश्न 1 — व्यवसाय | नौकरी या अपना काम, क्षेत्र, साझेदारी, समय | 10–12 |
| 5. प्रश्न 2 — विवाह | विलम्ब का कारण, जीवनसाथी, समय | 13–14 |
| 6. प्रश्न 3 — भूमि-भवन व धन | घर कब, निवेश में सावधानी | 15 |
| 7. दशा व गोचर | अगले सात वर्ष का मानचित्र | 16–18 |
| 8. स्वास्थ्य व हस्तरेखा | ध्यान देने योग्य बातें | 19–20 |
| 9. उपाय व कार्य-सूची | कारण सहित उपाय, एक पन्ने में सब | 21–24 |
| English Edition | The same answers in English | 25–34 |
| परिशिष्ट | षोडशवर्ग, सुदर्शन चक्र, दशाएँ, वर्षफल, गोचर | 35–50 |


॥ एक बात ॥

ग्रह संकेत देते हैं, निर्णय मनुष्य करता है। इस रिपोर्ट को निर्णय का सहायक समझिए, निर्णय का स्थान नहीं।

Sample

खण्ड 1

# आपने जो पूछा

बुकिंग-फ़ॉर्म में आपने ये प्रश्न लिखे थे — यहाँ वैसे के वैसे रखे गए हैं।

**“ प्रश्न 1 — व्यवसाय**

मैं नौ साल से एक निर्माण कम्पनी में साइट इंजीनियर हूँ। अब अपना काम शुरू करना चाहता हूँ — घरों और दुकानों के इंटीरियर और टर्नकी प्रोजेक्ट का। नौकरी कब छोड़ूँ? एक मित्र साझेदारी की बात कर रहे हैं — साझेदारी ठीक रहेगी या अकेले करूँ?

**“ प्रश्न 2 — विवाह**

मेरी उम्र 34 हो गई है। रिश्ते आते हैं पर बात आगे नहीं बढ़ती। विवाह कब तक होगा, और जीवनसाथी कैसा होगा?

**“ प्रश्न 3 — घर और धन**

माता-पिता चाहते हैं कि अब अपना घर हो जाए। अभी लोन लेकर लें या थोड़ा रुकें? और जो बचत है, उसे कहाँ लगाना ठीक रहेगा?

### उत्तर कैसे दिए गए

हर प्रश्न का उत्तर तीन भागों में है — (1) कुंडली क्या कहती है, (2) कब, और (3) क्या करें। जहाँ कोई बात केवल संकेत है, वहाँ स्पष्ट लिखा है कि वह संकेत है।

SAMPLE

खण्ड 2

# जन्म-विवरण एवं अवकहड़ा

| | |
|---|---|
| नाम | [illegible] |
| लिंग | पुरुष |
| जन्म-तिथि | [illegible] |
| वार | बुधवार |
| जन्म-समय | [illegible] |
| जन्म-स्थान | [illegible] |
| अक्षांश / रेखांश | [illegible] |
| अयनांश (लहरी) | 23°44' |
| तिथि | कृष्ण प्रतिपदा |
| योग | सुकर्मा |

## अवकहड़ा चक्र

| विषय | मान | विषय | मान |
|---|---|---|---|
| लग्न | मेष (06°01') | लग्न-नक्षत्र | अश्विनी-2 |
| राशि | सिंह | राशि-स्वामी | सूर्य |
| नक्षत्र-चरण | पूर्वफाल्गुनी-2 | नक्षत्र-स्वामी | शुक्र |
| वर्ण | क्षत्रिय | वश्य | वनचर |
| योनि | मूषक | गण | मनुष्य |
| नाड़ी | मध्य | तत्व | अग्नि |
| भोग्य दशा | शुक्र — 13.3 वर्ष | योगिनी | उल्का (शनि) |

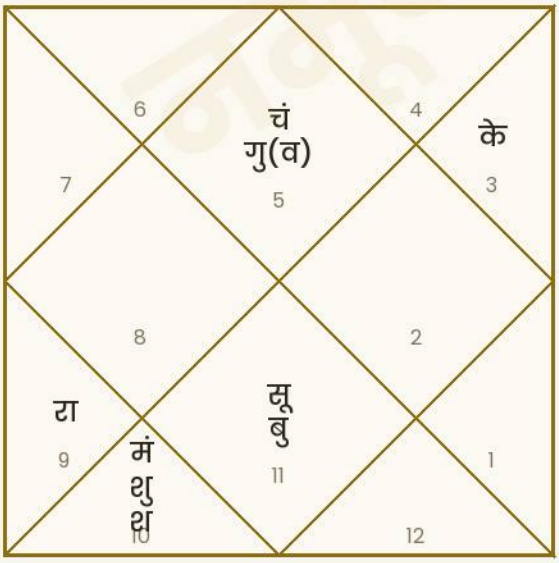
SAMPLE

खण्ड 2

# लग्न और चन्द्र कुंडली




लग्न कुंडली (D1)




चन्द्र कुंडली




नवांश (D9)

(व) = वक्री। चारों प्रमुख चक्र — भाव-चलित सहित — परिशिष्ट में बड़े आकार में दिए गए हैं।

SAMPLE

खण्ड 2

# ग्रह-स्पष्ट

| ग्रह | राशि | अंश | नक्षत्र-चरण | नक्षत्रेश | भाव | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | मेष | 06°01'03" | अश्विनी-2 | केतु | — | — |
| सूर्य | कुंभ | 06°01'26" | धनिष्ठा-4 | मंगल | 11 | शत्रु |
| चन्द्र | सिंह | 17°48'28" | पूर्वाफाल्गुनी-2 | शुक्र | 5 | मित्र |
| मंगल | मकर | 07°01'22" | उत्तराषाढ़ा-4 | सूर्य | 10 | उच्च |
| बुध | कुंभ | 11°34'47" | शतभिषा-2 | राहु | 11 | सम |
| गुरु (व) | सिंह | 17°11'53" | पूर्वाफाल्गुनी-2 | शुक्र | 5 | मित्र |
| शुक्र | मकर | 06°51'08" | उत्तराषाढ़ा-4 | सूर्य | 10 | मित्र |
| शनि | मकर | 17°53'47" | श्रवण-3 | चन्द्र | 10 | स्वराशि |
| राहु | धनु | 13°27'14" | पूर्वाषाढ़ा-1 | शुक्र | 9 | — |
| केतु | मिथुन | 13°27'14" | आर्द्रा-3 | राहु | 3 | — |

## एक दृष्टि में

- **लग्नेश मंगल उच्च का, दशम भाव में** — कर्म-क्षेत्र ही जीवन का केन्द्र
- **दशमेश शनि अपनी राशि में, दशम में** — धीमी पर टिकाऊ उन्नति
- **मंगल-शुक्र-शनि तीनों दशम में** — काम, साझेदारी और धन — तीनों कर्म-भाव से जुड़े
- **चन्द्र-गुरु साथ, पंचम में** — बुद्धि, योजना और सलाह देने की क्षमता

SAMPLE

खण्ड 3

# आपकी कुंडली — एक पन्ने में

आपकी कुंडली मेष लग्न की है और लग्न का स्वामी मंगल मकर राशि में उच्च होकर दशम भाव — कर्म के भाव — में बैठा है। यह स्थिति व्यक्ति को ऐसा बनाती है जो सोचने से अधिक करने में विश्वास रखता है। आप काम को हाथ में लेकर पूरा करने वाले व्यक्ति हैं, और लोग यह बात जल्दी पहचान लेते हैं।

उसी दशम भाव में शनि अपनी राशि में है। मंगल गति देता है, शनि धैर्य। दोनों एक साथ हों तो व्यक्ति बड़ा काम खड़ा कर सकता है — पर उसे यह समझना होता है कि उसकी उन्नति सीढ़ी-दर-सीढ़ी होगी, छलांग से नहीं।

पंचम भाव में चन्द्र और गुरु का साथ आपको योजना बनाने की बुद्धि और दूसरों को सलाह देने की क्षमता देता है। एकादश में सूर्य-बुध का होना बताता है कि आपके सम्पर्क और आपकी बात रखने का ढंग — ये दोनों आपकी आय के बड़े स्रोत बनेंगे।

## आपकी ताक़त

- **काम पूरा करने की ज़िद** — उच्च लग्नेश
- **अनुशासन और धैर्य** — स्वराशि शनि
- **योजना और परामर्श** — गजकेसरी योग
- **सम्पर्कों से लाभ** — एकादश में बुधादित्य

## जहाँ सँभलना है

- **मंगल-शनि एक साथ** — काम के दबाव में चिड़चिड़ापन, साथियों से टकराव
- **वक्री गुरु** — निर्णय बार-बार बदलना
- **राहु नवम में** — परम्परा और पिता से वैचारिक मतभेद

### तीन वाक्यों में आप

आप भरोसेमंद और कर्मठ व्यक्ति हैं, जिनसे लोग काम पूरा होने की उम्मीद रखते हैं। मन भीतर से भावुक है, पर आप उसे बाहर कम दिखाते हैं। आपकी सबसे बड़ी पूँजी आपकी साख है — उसे किसी जल्दबाज़ी में दाँव पर मत लगाइए।

SAMPLE

खण्ड 3

# ग्रह-स्थिति और उसका व्यावहारिक प्रभाव

| ग्रह / भाव | स्थिति | व्यावहारिक प्रभाव |
|---|---|---|
| मंगल — लग्नेश | मकर, दशम, उच्च | नेतृत्व, तकनीकी दक्षता, साइट पर निर्णय लेने की क्षमता। निर्माण, इंजीनियरिंग और भूमि से जुड़ा काम स्वाभाविक। |
| शनि — दशमेश, एकादशेश | मकर, दशम, स्वराशि | मेहनत का फल देर से पर पक्का। कर्मचारियों और श्रमिकों से काम लेने की कला। |
| शुक्र — द्वितीयेश, सप्तमेश | मकर, दशम | सौंदर्य-बोध, डिज़ाइन की समझ। जीवनसाथी और साझेदार — दोनों का सम्बन्ध कर्म-क्षेत्र से। |
| चन्द्र — चतुर्थेश | सिंह, पंचम, गुरु के साथ | भावुक पर स्वाभिमानी मन। घर और माता से गहरा लगाव। |
| गुरु — नवमेश, द्वादशेश (वक्री) | सिंह, पंचम | धर्म और ज्ञान में रुचि; सलाह देने की क्षमता। निर्णय से पहले बहुत सोचना। |
| सूर्य — पंचमेश | कुंभ, एकादश | बड़े लोगों से परिचय, संस्थाओं से लाभ। अहं के टकराव से बचना। |
| बुध — तृतीयेश, षष्ठेश | कुंभ, एकादश | हिसाब-किताब और बातचीत में कुशल। अनुबंध और कागज़ में सावधानी से लाभ। |
| राहु / केतु | धनु नवम / मिथुन तृतीय | दूर के स्थानों और नए तरीक़ों से भाग्य। छोटे भाई-बहनों से कुछ दूरी। |

### भाव-चलित का सूक्ष्म संकेत

भाव-चलित में चन्द्र और गुरु षष्ठ भाव का फल देते हैं — आपकी बुद्धि प्रतिस्पर्धा और समस्या सुलझाने में सबसे अधिक खिलती है। शनि एकादश का फल देता है — मेहनत आय बनकर लौटती है। राहु दशम का फल देता है — काम में नए और आधुनिक तरीक़े अपनाने की प्रवृत्ति।

खण्ड 3

# आपकी कुंडली के प्रमुख योग

| योग | कैसे बना | फल |
|---|---|---|
| रुचक महापुरुष योग | मंगल उच्च होकर केन्द्र (दशम) में | साहस, नेतृत्व, भूमि और तकनीक से यश |
| शश महापुरुष योग | शनि स्वराशि होकर केन्द्र (दशम) में | संगठन चलाने की क्षमता, लोगों से काम लेना |
| गजकेसरी योग | चन्द्र और गुरु एक साथ | बुद्धि, सम्मान, सलाहकार की भूमिका |
| बुधादित्य योग | सूर्य और बुध एकादश में | व्यवहार-कुशलता, सम्पर्कों से आय |
| धन योग | द्वितीयेश शुक्र और एकादशेश शनि एक साथ | कर्म से धन-संचय |
| राजयोग (केन्द्र-त्रिकोण) | चतुर्थेश चन्द्र और नवमेश गुरु पंचम (त्रिकोण) में | भाग्य और सुख का मेल — घर, वाहन, प्रतिष्ठा |

### दो महापुरुष योग एक ही भाव में

रुचक और शश — दोनों दशम भाव में, यानी कर्म के भाव में। शास्त्र में महापुरुष योग पाँच बताए गए हैं; एक कुंडली में दो का होना, और दोनों का कर्म-भाव में होना, इस बात का संकेत है कि आपकी पहचान आपके काम से बनेगी।

[illegible]

खण्ड 4 · प्रश्न 1

# अपना काम — हाँ या नहीं?

" आपका प्रश्न

नौकरी कब छोड़ूँ? साझेदारी ठीक रहेगी या अकेले करूँ?

## कुंडली क्या कहती है

आपकी कुंडली अपना काम करने के पक्ष में है — और यह बात एक नहीं, चार जगह से दिखती है। लग्नेश का दशम में उच्च होना, दशमेश का अपने ही भाव में होना, दशांश (D10) में सूर्य का उच्च होना, और एकादश भाव में बुधादित्य योग। नौकरी करने वाले की कुंडली में लग्नेश प्रायः छठे भाव से जुड़ता है; आपके यहाँ वह सीधे कर्म के भाव में है।

नमूना · SAMPLE

खण्ड 4 · प्रश्न 1

# कौन-सा काम आपके ग्रहों के अनुकूल

| क्षेत्र | ग्रह-आधार | अनुकूलता |
|---|---|---|
| टर्नकी निर्माण / साइट-निष्पादन | उच्च मंगल + शनि, दशम में, पृथ्वी राशि | बहुत अनुकूल |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |

यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

नमूना · SAMPLE

खण्ड 4 · प्रश्न 1

# नौकरी से अपने काम तक — तीन चरण

यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

नमूना · SAMPLE

खण्ड 5 · प्रश्न 2

# विवाह में विलम्ब क्यों

" आपका प्रश्न

रिश्ते आते हैं पर बात आगे नहीं बढ़ती। विवाह कब तक होगा, और जीवनसाथी कैसा होगा?

आपका सप्तम भाव तुला राशि का है और उसमें कोई ग्रह नहीं। सप्तमेश शुक्र दशम भाव में मंगल और शनि के साथ है, और शनि की दशम दृष्टि सीधे सप्तम भाव पर पड़ती है। शनि जहाँ देखता है, वहाँ देर करता है — पर वह जो देता है, टिकाऊ देता है।

पहली बात जो आपको राहत देगी — आपकी कुंडली में मंगल दशम में है, इसलिए यह मांगलिक कुंडली नहीं है। चन्द्र से गिनने पर भी मंगल षष्ठ में है।

[redacted]

नमूना · SAMPLE

खण्ड 5 · प्रश्न 2

# विवाह का समय

यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

नमूना · SAMPLE

खण्ड 6 · प्रश्न 3

# घर कब लें, और बचत कहाँ

" आपका प्रश्न

अभी लोन लेकर घर लें या थोड़ा रुकें? बचत कहाँ लगाना ठीक रहेगा?

चतुर्थ भाव (घर) का स्वामी चन्द्र पंचम में गुरु के साथ है, और भूमि के कारक मंगल की सप्तम दृष्टि चतुर्थ भाव पर है। घर का योग स्पष्ट है। पर शनि की दृष्टि भी चतुर्थ पर है — जिसका अर्थ है कागज़ी काम में देर और जाँच की आवश्यकता।

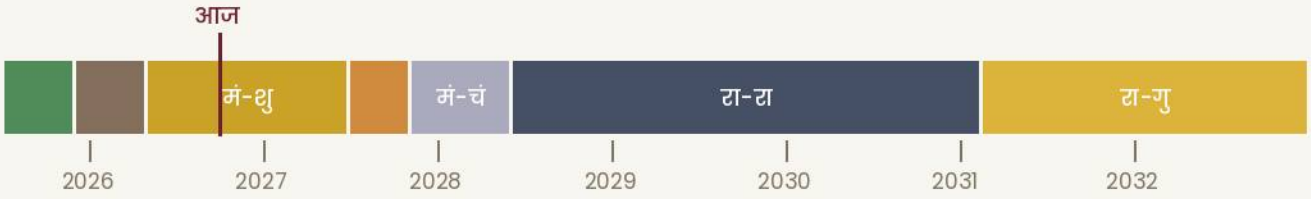
यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

नमूना · SAMPLE

खण्ड 7

# दशा समयरेखा — अगले सात वर्ष




| अवधि | दशा | मुख्य विषय |
|---|---|---|
| अप्रैल 2026 – जून 2027 | मंगल–शुक्र | साझेदारी, विवाह, नींव |
| जून 2027 – नवम्बर 2027 | मंगल–सूर्य | सम्पर्क, प्रतिष्ठित ग्राहक |
| नवम्बर 2027 – जून 2028 | मंगल–चन्द्र | घर, कार्यालय, स्थिरता |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |

नमूना · SAMPLE

खण्ड 7

# दशा का चरण-वार विश्लेषण

यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

नमूना · SAMPLE

खण्ड 7

# गोचर — अभी आकाश में क्या चल रहा है

| ग्रह | अभी | आपके लिए |
|---|---|---|
| शनि | मीन — लग्न से 12, चन्द्र से 8 | खर्च बढ़े, नींद और थकान पर ध्यान; बड़े कर्ज़ से बचें |
| गुरु | कर्क — लग्न से 4 | घर-परिवार में शुभ कार्य; सप्तमेश शुक्र पर दृष्टि |
| राहु | कुंभ — लग्न से 11 | नए सम्पर्क और अचानक अवसर |
| केतु | सिंह — जन्म-चन्द्र पर | मन में उदासीनता; ध्यान-साधना सहायक |

[redacted]

नमूना · SAMPLE

खण्ड 8

# स्वास्थ्य — किस पर ध्यान

यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

### आवश्यक टिप्पणी

ज्योतिष चिकित्सा का स्थान नहीं लेता। कोई भी लक्षण हो, तो योग्य चिकित्सक से ही परामर्श लें।

नमूना · SAMPLE

खण्ड 8

# हस्तरेखा — कुंडली से मिलान

यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

खण्ड 9

# उपाय — कारण सहित

उपाय डर मिटाने के लिए नहीं, दिशा देने के लिए हैं। हर उपाय के साथ लिखा है कि वह किस ग्रह के लिए और क्यों है।

## 1. हनुमान उपासना — मंगल के लिए

- **क्यों** — लग्नेश मंगल बली है, पर शनि के साथ है; उसकी ऊर्जा को धैर्य की दिशा देने के लिए
- **विधि** — मंगलवार को हनुमान चालीसा; महीने में एक बार सुन्दरकाण्ड का पाठ
- **अवधि** — मंगल महादशा रहने तक (जून 2028 तक)

यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

नमूना · SAMPLE

खण्ड 9

# उपाय — आचरण, दान और आने वाली दशा

यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

## रत्न के विषय में

आपका लग्नेश मंगल पहले से उच्च है, इसलिए मूँगा पहनने की आवश्यकता नहीं। रत्न तभी बताया जाता है जब कुंडली में उसकी सचमुच आवश्यकता हो।

नमूना · SAMPLE

खण्ड 9

# एक पन्ने में — क्या, कब, क्यों

| विषय | जोखिम | ग्रह | क्या करें | कब |
|---|---|---|---|---|
| **व्यवसाय** | जल्दबाज़ी में नौकरी छोड़ना | शनि अष्टम (चन्द्र से) | नौकरी के साथ नींव | जून 2027 तक |

## यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

नमूना · SAMPLE

अंत में

# आचार्य का वचन

आपकी कुंडली कर्म की कुंडली है। जो लोग केवल भाग्य के भरोसे बैठते हैं, उनके लिए यह कुंडली कठिन होती — पर आप काम करने वाले व्यक्ति हैं, और आपके ग्रह ठीक उसी दिशा में हैं।

आने वाले दो वर्ष नींव के हैं, और उसके बाद के वर्ष विस्तार के। नींव जितनी धैर्य से बनेगी, इमारत उतनी ऊँची जाएगी — यही शनि का नियम है, और यही आपकी कुंडली का सार।

॥ आशीर्वचन ॥

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः — कार्य परिश्रम से सिद्ध होते हैं, केवल इच्छा से नहीं। आपका मार्ग मंगलमय हो।

— डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

यह रिपोर्ट केवल जातक के लिए है। इसे किसी और के साथ साझा न करें।

नमूना · SAMPLE

English Edition

# Personalised Horoscope

## Analysis & Advisory Report

| | |
|---|---|
| Native | [illegible] |
| Ascendant · Moon | **Aries · Leo** |
| Nakshatra | **Purva Phalguni, pada 2** |
| Prepared by | **Dr. Gyanendra Sharma & Team** |

हिंदी SAMPLE

The Hindi section and this English section answer the same three questions from the same chart. Read whichever language is more comfortable — nothing is left out of either.

SECTION 1

# Your Questions

These are the questions you sent with your booking, kept in your own words.

**“ Question 1 — Business**

I have been a site engineer with a construction company for nine years. I now want to start my own interiors and turnkey-projects business. When should I leave my job? A friend has offered a partnership — should I accept it or go alone?

**“ Question 2 — Marriage**

I am 34. Proposals come, but nothing moves forward. When will I marry, and what will my spouse be like?

**“ Question 3 — Home & Money**

My parents want us to own a home now. Should I buy with a loan now or wait? Where should I keep my savings?

### How the answers are structured

Each answer has three parts: what the chart shows, when it is likely to unfold, and what you can do. Where something is only an indication, it is marked as such.

SAMPLE

SECTION 2

# Executive Summary

Yours is an Aries-ascendant chart whose ruler, Mars, is exalted in Capricorn in the 10th house — the house of work. You are someone who believes in doing rather than deliberating, and people recognise quickly that you finish what you start.

Saturn sits in the same 10th house in its own sign. Mars brings speed and Saturn brings patience; together they can build something large — provided growth is accepted as step-by-step rather than a single leap.

The Moon and Jupiter together in the 5th house give planning ability and a natural gift for advising others. The Sun and Mercury in the 11th show that your network and the way you present yourself will become major sources of income.

## Key strengths

- **Two Mahapurusha yogas** — Ruchaka (Mars) and Shasha (Saturn), both in the 10th house
- **Gajakesari yoga** — Moon with Jupiter — judgement and respect
- **Budhaditya yoga** — Sun with Mercury in the 11th — gains through contacts

## Areas to handle with care

- **Mars–Saturn conjunction** — friction with colleagues or partners under pressure
- **Saturn transiting the 8th from the Moon** — avoid heavy debt and hasty decisions for now

### Three sentences about you

You are dependable and hard-working, and people expect you to deliver. Inside you are more emotional than you let others see. Your biggest asset is your reputation — never stake it on a hurried decision.

SAMPLE

SECTION 2

# Planetary Positions & Practical Impact

| Planet | Sign · House | Dignity | Practical impact |
|---|---|---|---|
| Mars | Capricorn · 10 | Exalted | Leadership, technical skill, land and construction |
| Saturn | Capricorn · 10 | Own sign | Slow but durable rise; managing people |
| Venus | Capricorn · 10 | Friendly | Design sense; spouse and partner linked to work |
| Moon | Leo · 5 | Friendly | Proud yet emotional mind; strong home ties |
| Jupiter (R) | Leo · 5 | Friendly | Advisory ability; tendency to over-think |
| Sun | Aquarius · 11 | Enemy | Recognition through institutions |
| Mercury | Aquarius · 11 | Neutral | Contracts, accounts, negotiation |
| Rahu | Sagittarius · 9 | — | Luck through distant places and new methods |
| Ketu | Gemini · 3 | — | Some distance from younger siblings |

All positions are sidereal (Lahiri ayanamsa). Full degree tables, divisional charts and dasha periods are in the Appendix.

वेदवाणी · SAMPLE

SECTION 3 · QUESTION 1

# Your Own Business — Yes or No?

**" Your question**

When should I leave my job? Partnership or alone?

Your chart supports independent enterprise, and this shows up in four separate places: the ascendant lord exalted in the 10th, the 10th lord in its own house, an exalted Sun in the Dashamsha (D10), and the Budhaditya yoga in the 11th.

**This part appears only in your report**

Written for your own chart — fully open in the full report

नमूना · SAMPLE

SECTION 3 · QUESTION 1

# From Job to Enterprise — Three Phases

[illegible]

**This part appears only in your report**

Written for your own chart — fully open in the full report

[illegible]

नवग्रह SAMPLE

SECTION 4 · QUESTION 2

# Marriage — the Delay and the Timing

**" Your question**

When will I marry, and what will my spouse be like?

Your 7th house is Libra and empty. Its lord, Venus, sits in the 10th with Mars and Saturn, and Saturn aspects the 7th house directly. Saturn delays what it aspects — but what it gives, it gives to last.

One reassurance first: Mars is in the 10th house, so this is not a Manglik chart. Counted from the Moon, Mars falls in the 6th — also not Manglik.

**This part appears only in your report**

Written for your own chart — fully open in the full report

SECTION 5 · QUESTION 3

# Home, Savings and Timing

**“ Your question**

Buy a home with a loan now, or wait? Where should savings go?

The 4th lord, Moon, sits with Jupiter in the 5th, and Mars — the significator of land — aspects the 4th house. Property is clearly promised. Saturn also aspects the 4th, which means paperwork, delays and the need for careful title checks.

[illegible]

**This part appears only in your report**

Written for your own chart — fully open in the full report

नमूना · SAMPLE

SECTION 6

# Remedies & Action Checklist

Remedies are for direction, not fear. Each is tied to a specific planet and reason.

| Domain | Planet | Remedy / action | When |
|---|---|---|---|
| Energy & temper | Mars | Hanuman Chalisa; Sundarkand once a month | Tuesdays |
| Transit pressure | Saturn | Mustard-oil lamp under a peepal; pay workers on time | Saturdays |

**This part appears only in your report**

Written for your own chart — fully open in the full report

नमूना · SAMPLE

IN CLOSING

# A Word from Dr. Sharma

Yours is a chart of karma — of effort. For someone waiting on luck alone it would feel difficult; but you are a person who works, and your planets point in exactly that direction.

The next two years are for laying the foundation, and the years after that for expansion. The more patiently the foundation is laid, the taller the building can rise — that is Saturn's law, and the essence of your chart.

### Blessing

Udyamena hi sidhyanti karyani na manorathaih — work is accomplished through effort, not by wishes alone. May your path be auspicious.

*— Dr. Gyanendra Sharma*

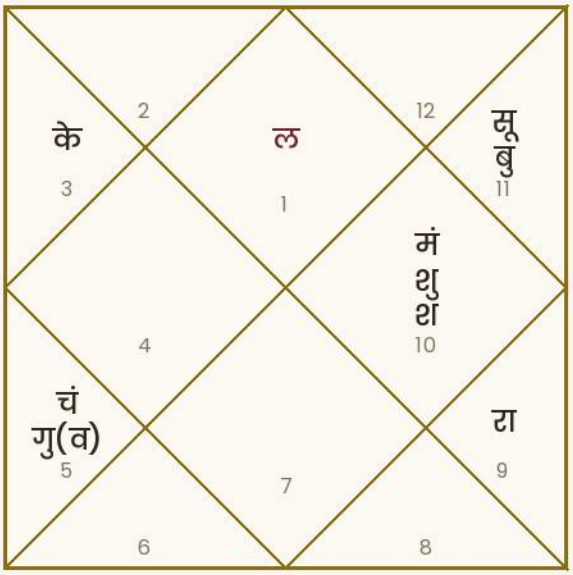
This report is for the native only. Please do not share it.

नमूना · SAMPLE

परिशिष्ट · चक्र १

# लग्न, चन्द्र, नवांश और भाव-चलित

आगे के सभी चक्र इसी जन्म-विवरण से गणित — निरयण, लहरी अयनांश 23°44', भाव-चलित श्रीपति पद्धति, विंशोत्तरी चन्द्र-नक्षत्र से।



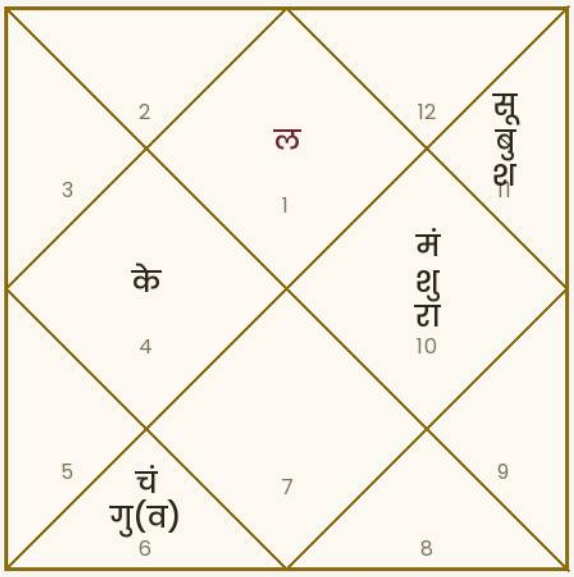

लग्न कुंडली (D1)




चन्द्र कुंडली




नवांश (D9)



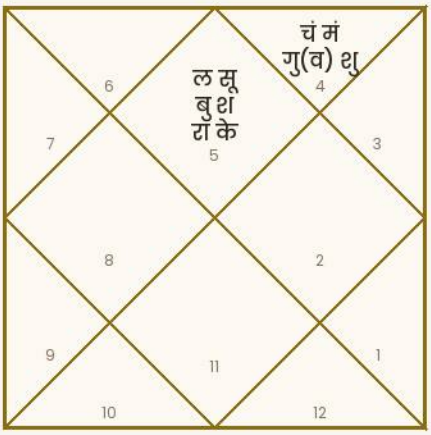

भाव-चलित (श्रीपति)

भाव-चलित में चन्द्र-गुरु पंचम से षष्ठ में, शनि दशम से एकादश में, और राहु नवम से दशम में फल देते हैं — विश्लेषण में इसका ध्यान रखा गया है।

SAMPLE

चक्र 2

# षोडशवर्ग — 1




होरा (D2)




द्रेष्काण (D3)




चतुर्थांश (D4)




सप्तांश (D7)




नवांश (D9)

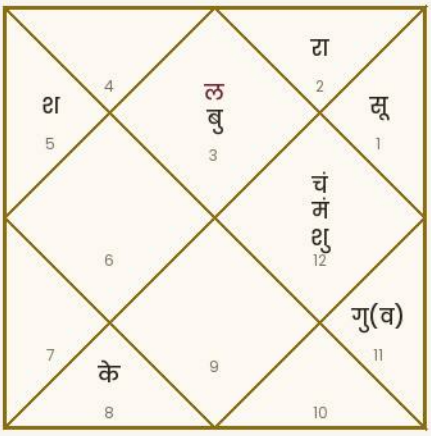



दशांश (D10)

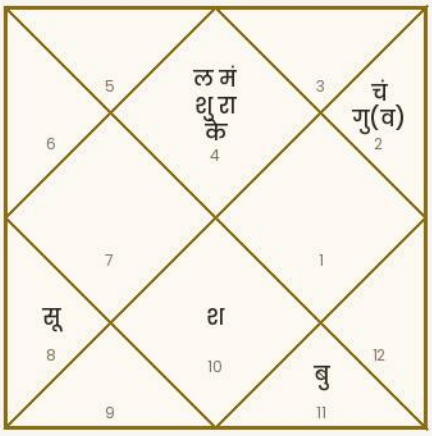
होरा धन का, द्रेष्काण पराक्रम का, चतुर्थांश भूमि-भवन का, सप्तांश सन्तान का, नवांश जीवनसाथी व धर्म का, और दशांश कर्म-क्षेत्र का वर्ग है।

चक्र 3

# षोडशवर्ग — 2




द्वादशांश (D12)




षोडशांश (D16)




विंशांश (D20)

## यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

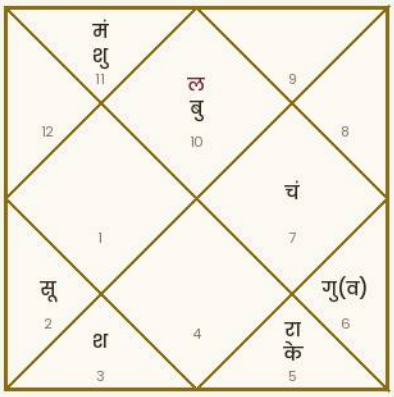
आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

चक्र 4

# षोडशवर्ग — 3




खवेदांश (D40)




अक्षवेदांश (D45)




षष्ट्यंश (D60)

## कौन-सा वर्ग क्या दिखाता है

| वर्ग | विषय | वर्ग | विषय |
|---|---|---|---|
| D1 जन्म | शरीर, सम्पूर्ण जीवन | D20 विंशांश | उपासना |
| D2 होरा | धन-सम्पत्ति | D24 चतुर्विंशांश | विद्या |
| D3 द्रेष्काण | भाई-बहन, पराक्रम | D27 सप्तविंशांश | बलाबल |
| D4 चतुर्थांश | भाग्य, भूमि-भवन | D30 त्रिंशांश | अरिष्ट |
| D7 सप्तांश | सन्तान | D40 खवेदांश | मातृ-कुल शुभाशुभ |
| D9 नवांश | जीवनसाथी, धर्म | D45 अक्षवेदांश | पितृ-कुल शुभाशुभ |
| D10 दशांश | कर्म, व्यवसाय | D60 षष्ट्यंश | पूर्व-कर्म, समग्र |
| D12 द्वादशांश | माता-पिता | D16 षोडशांश | वाहन, सुख |

सारणी 1

# षोडशवर्ग सारणी

| वर्ग | ल | सू | चं | मं | बु | गु | शु | श | रा | के |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| D1 | मेष | कुंभ | सिंह | मकर | कुंभ | सिंह | मकर | मकर | धनु | मिथुन |
| D2 | सिंह | सिंह | कर्क | कर्क | सिंह | कर्क | कर्क | सिंह | सिंह | सिंह |
| D3 | मेष | कुंभ | धनु | मकर | मिथुन | धनु | मकर | वृष | मेष | तुला |
| D4 | मेष | कुंभ | कुंभ | मकर | वृष | कुंभ | मकर | कर्क | मीन | कन्या |
| D7 | वृष | मीन | धनु | सिंह | मेष | धनु | सिंह | वृश्चिक | मीन | कन्या |
| D9 | वृष | वृश्चिक | कन्या | मीन | मकर | कन्या | मीन | मिथुन | सिंह | कुंभ |
| D10 | मिथुन | मेष | मकर | वृश्चिक | वृष | मकर | वृश्चिक | कुंभ | मेष | तुला |
| D12 | मिथुन | मेष | मीन | मीन | मिथुन | कुंभ | मीन | सिंह | वृष | वृश्चिक |
| D16 | कर्क | वृश्चिक | वृष | कर्क | कुंभ | वृष | कर्क | मकर | कर्क | कर्क |
| D20 | सिंह | मेष | वृश्चिक | सिंह | कर्क | वृश्चिक | सिंह | मीन | मेष | मेष |
| D24 | धनु | धनु | तुला | धनु | वृष | कन्या | धनु | कन्या | मिथुन | मिथुन |
| D27 | कन्या | मीन | सिंह | मकर | सिंह | कर्क | मकर | वृश्चिक | मेष | तुला |
| D30 | कुंभ | कुंभ | धनु | कन्या | धनु | धनु | कन्या | मीन | धनु | धनु |
| D40 | धनु | धनु | मीन | कर्क | कर्क | कुंभ | कर्क | कन्या | कन्या | कन्या |
| D45 | मकर | वृष | तुला | कुंभ | मकर | कन्या | कुंभ | मिथुन | सिंह | सिंह |
| D60 | मेष | कुंभ | कर्क | मीन | मकर | मिथुन | कुंभ | धनु | कुंभ | सिंह |

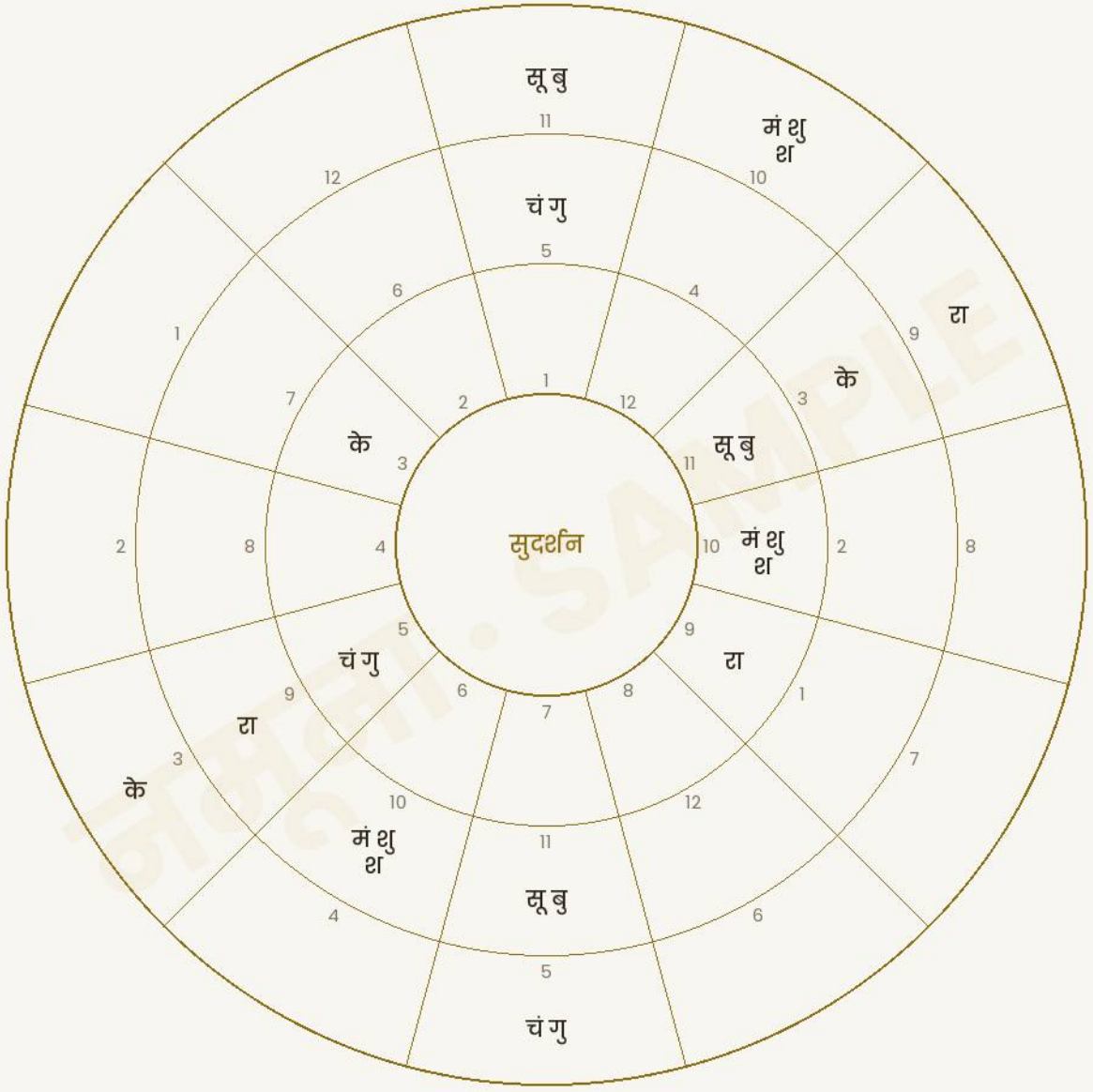
## ग्रह कितने वर्गों में बली

| ग्रह | उच्च | मूलत्रिकोण | स्वराशि | मित्र | सम | शत्रु | नीच |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | 3 | 1 | 0 | 6 | 0 | 6 | 0 |
| चन्द्र | 1 | 0 | 2 | 3 | 9 | 0 | 1 |
| मंगल | 4 | 0 | 1 | 6 | 1 | 1 | 3 |
| बुध | 0 | 0 | 2 | 5 | 7 | 2 | 0 |
| गुरु | 2 | 3 | 0 | 2 | 3 | 5 | 1 |
| शुक्र | 2 | 0 | 0 | 6 | 2 | 5 | 1 |
| शनि | 0 | 1 | 2 | 5 | 3 | 5 | 0 |

चक्र 5

# सुदर्शन चक्र

भीतर से बाहर — लग्न, चन्द्र और सूर्य से गिने गए बारह भाव। जो बात तीनों चक्रों में एक साथ दिखे, वह जीवन में अधिक निश्चित मानी जाती है।




| वलय | आरम्भ | दशम भाव में | एकादश भाव में |
|---|---|---|---|
| **भीतरी — लग्न** | मेष | मंगल शुक्र शनि | सूर्य बुध |
| **मध्य — चन्द्र** | सिंह | — | केतु |
| **बाहरी — सूर्य** | कुंभ | — | राहु |

सारणी 2

# भाव-स्पष्ट (श्रीपति)

| भाव | आरम्भ-सन्धि | भाव-मध्य | भाव में ग्रह |
|---|---|---|---|
| 1 | मीन 19°25' | मेष 06°01' | — |
| 2 | मेष 19°25' | वृष 02°49' | — |
| 3 | वृष 16°13' | वृष 29°37' | — |
| 4 | मिथुन 13°01' | मिथुन 26°26' | केतु |
| 5 | कर्क 13°01' | कर्क 29°37' | — |
| 6 | सिंह 16°13' | कन्या 02°49' | चन्द्र, गुरु |
| 7 | कन्या 19°25' | तुला 06°01' | — |
| 8 | तुला 19°25' | वृश्चिक 02°49' | — |
| 9 | वृश्चिक 16°13' | वृश्चिक 29°37' | — |
| 10 | धनु 13°01' | धनु 26°26' | मंगल, शुक्र, राहु |
| 11 | मकर 13°01' | मकर 29°37' | सूर्य, बुध, शनि |
| 12 | कुंभ 16°13' | मीन 02°49' | — |

### भाव-चलित क्यों

राशि-कुंडली बताती है कि ग्रह किस राशि में है; भाव-चलित बताता है कि वह किस भाव का फल देगा। जब ग्रह भाव-सन्धि के पास होता है, तो उसका फल अगले भाव में दिखता है।

SAMPLE

सारणी 3

# ग्रह-मैत्री

## नैसर्गिक मैत्री

| ग्रह | मित्र | सम | शत्रु |
|---|---|---|---|
| सूर्य | चन्द्र, मंगल, गुरु | बुध | शुक्र, शनि |
| चन्द्र | सूर्य, बुध | मंगल, गुरु, शुक्र, शनि | — |
| मंगल | सूर्य, चन्द्र, गुरु | शुक्र, शनि | बुध |
| बुध | सूर्य, शुक्र | मंगल, गुरु, शनि | चन्द्र |
| गुरु | सूर्य, चन्द्र, मंगल | शनि | बुध, शुक्र |
| शुक्र | बुध, शनि | मंगल, गुरु | सूर्य, चन्द्र |
| शनि | बुध, शुक्र | गुरु | सूर्य, चन्द्र, मंगल |

## पंचधा मैत्री — इस कुंडली में

| ग्रह | सू | चं | मं | बु | गु | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | — | सम | अधिमित्र | शत्रु | सम | सम | सम |
| चन्द्र | सम | — | शत्रु | सम | शत्रु | शत्रु | शत्रु |
| मंगल | अधिमित्र | सम | — | सम | सम | शत्रु | शत्रु |
| बुध | सम | अधिशत्रु | मित्र | — | शत्रु | अधिमित्र | मित्र |
| गुरु | सम | सम | सम | अधिशत्रु | — | अधिशत्रु | शत्रु |
| शुक्र | सम | अधिशत्रु | शत्रु | अधिमित्र | शत्रु | — | सम |
| शनि | सम | अधिशत्रु | अधिशत्रु | अधिमित्र | शत्रु | सम | — |

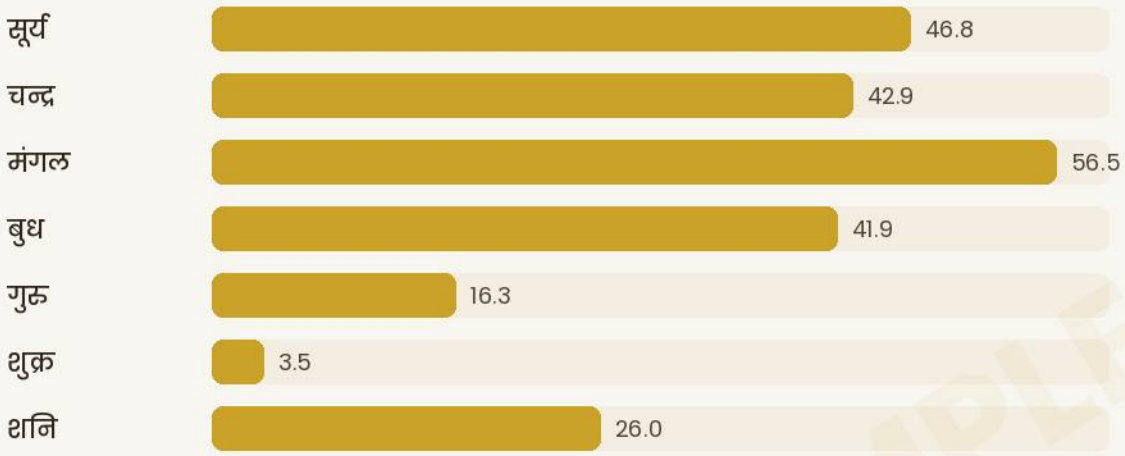
नमूना · SAMPLE

चित्र 1

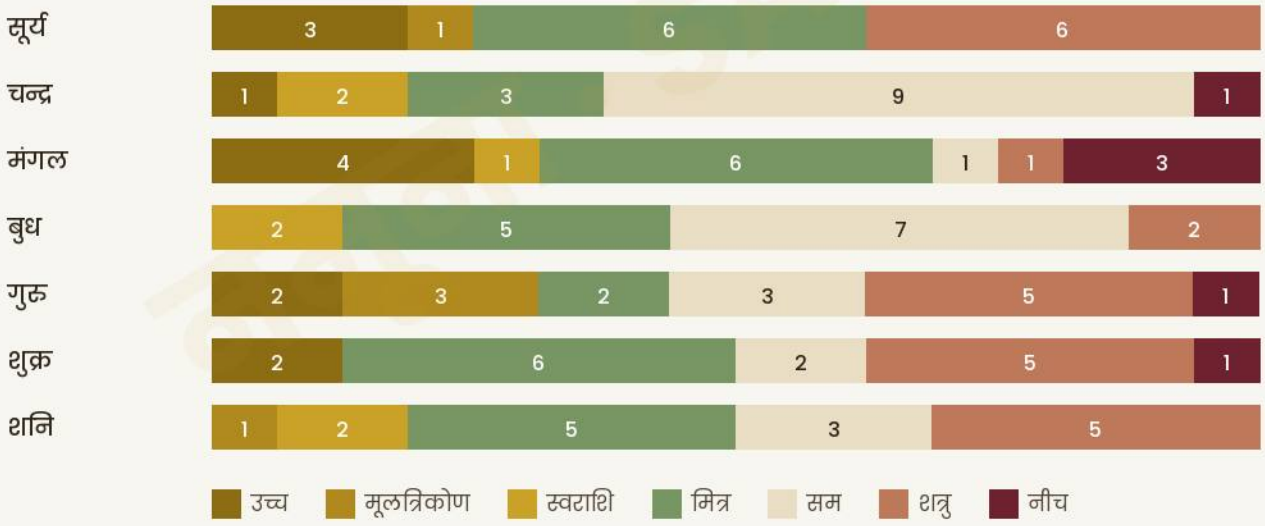
# ग्रह-बल

## दिग्बल (षष्ट्यंश, अधिकतम 60)

सूर्य-मंगल दशम में, गुरु-बुध लग्न में, चन्द्र-शुक्र चतुर्थ में और शनि सप्तम में पूर्ण दिग्बली होते हैं।




## षोडशवर्ग में गरिमा



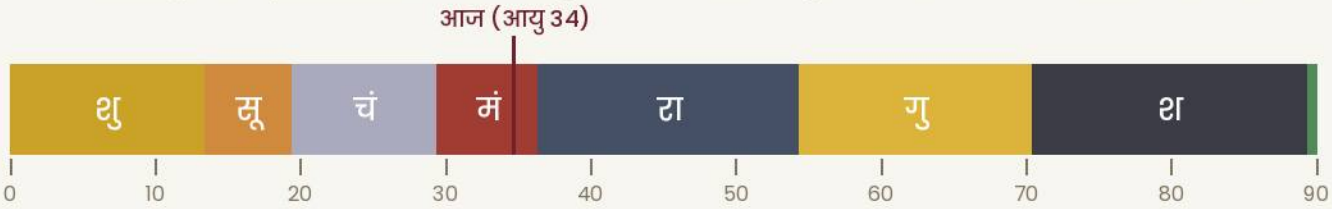

यह चित्र षड्बल नहीं है — यह केवल दिग्बल और सोलह वर्गों में ग्रह की गरिमा दिखाता है। पूर्ण षड्बल जातक की रिपोर्ट में अलग से दिया जाता है।

SAMPLE

दशा 1

# विंशोत्तरी महादशा

जन्म-नक्षत्र पूर्वफाल्गुनी (चरण 2) — स्वामी शुक्र। जन्म के समय शुक्र की दशा के लगभग 13.3 वर्ष शेष थे।




| महादशा | वर्ष | आरम्भ | समाप्ति | आयु |
|---|---|---|---|---|
| शुक्र | 20 | जन्म से | 03-06-2005 | 0 – 13 |
| सूर्य | 6 | 03-06-2005 | 04-06-2011 | 13 – 19 |
| चन्द्र | 10 | 04-06-2011 | 03-06-2021 | 19 – 29 |
| मंगल | 7 | 03-06-2021 | 03-06-2028 | 29 – 36 |
| राहु | 18 | 03-06-2028 | 03-06-2046 | 36 – 54 |
| गुरु | 16 | 03-06-2046 | 03-06-2062 | 54 – 70 |
| शनि | 19 | 03-06-2062 | 03-06-2081 | 70 – 89 |
| बुध | 17 | 03-06-2081 | 03-06-2098 | 89 – 106 |

नमूना · SAMPLE

दशा 2

# अन्तर्दशा — वर्तमान और अगली महादशा

## मंगल महादशा (03-06-2021 – 03-06-2028)

| अन्तर्दशा | आरम्भ | समाप्ति | अवधि |
|---|---|---|---|
| मंगल – मंगल | 03-06-2021 | 30-10-2021 | 4.9 माह |
| मंगल – राहु | 30-10-2021 | 18-11-2022 | 12.6 माह |
| मंगल – गुरु | 18-11-2022 | 25-10-2023 | 11.2 माह |
| मंगल – शनि | 25-10-2023 | 03-12-2024 | 13.3 माह |
| मंगल – बुध | 03-12-2024 | 30-11-2025 | 11.9 माह |
| मंगल – केतु | 30-11-2025 | 28-04-2026 | 4.9 माह |
| ☒ मंगल – शुक्र | 28-04-2026 | 28-06-2027 | 14.0 माह |
| मंगल – सूर्य | 28-06-2027 | 03-11-2027 | 4.2 माह |
| मंगल – चन्द्र | 03-11-2027 | 03-06-2028 | 7.0 माह |

यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में
आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

दशा 3

# प्रत्यन्तर दशा — अगले बीस महीने

## मंगल – शुक्र

| प्रत्यन्तर | आरम्भ | समाप्ति |
|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |

यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

नमूना SAMPLE

दशा 4

# योगिनी दशा

योगिनी दशा 36 वर्ष का चक्र है। विंशोत्तरी के साथ इसे मिलाकर देखने से घटना का समय अधिक स्पष्ट होता है।

| योगिनी | स्वामी | वर्ष | आरम्भ | समाप्ति |
|---|---|---|---|---|
| उल्का | शनि | 6 | जन्म से | 14-02-1996 |
| सिद्धा | शुक्र | 7 | 14-02-1996 | 14-02-2003 |
| संकटा | राहु | 8 | 14-02-2003 | 14-02-2011 |
| मंगला | चन्द्र | 1 | 14-02-2011 | 14-02-2012 |
| पिंगला | सूर्य | 2 | 14-02-2012 | 13-02-2014 |
| धान्या | गुरु | 3 | 13-02-2014 | 13-02-2017 |
| भ्रामरी | मंगल | 4 | 13-02-2017 | 13-02-2021 |
| भद्रिका | बुध | 5 | 13-02-2021 | 13-02-2026 |
| ☒ उल्का | शनि | 6 | 13-02-2026 | 14-02-2032 |
| सिद्धा | शुक्र | 7 | 14-02-2032 | 13-02-2039 |
| संकटा | राहु | 8 | 13-02-2039 | 13-02-2047 |
| मंगला | चन्द्र | 1 | 13-02-2047 | 14-02-2048 |
| पिंगला | सूर्य | 2 | 14-02-2048 | 13-02-2050 |
| धान्या | गुरु | 3 | 13-02-2050 | 13-02-2053 |

नमूना रिपोर्ट · SAMPLE

वर्षफल

# वर्षफल 2026 – 2027




वर्ष-प्रवेश कुंडली

| | |
|---|---|
| वर्ष-प्रवेश | 19-02-2026 02:57 |
| वर्ष-लग्न | धनु |
| मुन्था | कुंभ (3 वाँ भाव) |
| मुन्थेश | शनि |
| आयु (पूर्ण) | 34 वर्ष |

| ग्रह | राशि | अंश | वर्ष-कुंडली में भाव |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कुंभ | 06°01' | 3 |

## यह भाग केवल आपकी रिपोर्ट में

आपकी कुंडली के अनुसार — पूर्ण रिपोर्ट में पूरा खुला

गोचर

# गोचर — 10 / 2026




## जन्म-लग्न पर गोचर

| ग्रह | गोचर राशि | लग्न से | चन्द्र से |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कन्या | 6 | 2 |
| चन्द्र | वृष | 2 | 10 |
| मंगल | कर्क | 4 | 12 |
| बुध | तुला | 7 | 3 |
| गुरु | कर्क | 4 | 12 |
| शुक्र | तुला | 7 | 3 |
| शनि | मीन | 12 | 8 |
| राहु | कुंभ | 11 | 7 |
| केतु | सिंह | 5 | 1 |

शनि इस समय चन्द्र-राशि से अष्टम में हैं (अष्टम ढैय्या) — इसका अर्थ और सावधानियाँ विश्लेषण-खंड में दी गई हैं।

SAMPLE

# आपकी रिपोर्ट भी ऐसी ही बनेगी

यह नमूना एक काल्पनिक जन्म-विवरण पर बना है — किसी वास्तविक व्यक्ति का नहीं। इसके धुँधले भाग जानबूझकर छिपाए गए हैं। आपकी रिपोर्ट आपकी जन्म-तिथि, समय, स्थान, हथेली के चित्र और आपके अपने प्रश्नों से बनेगी, और उसका हर पन्ना खुला होगा।

- **आपके अपने प्रश्नों के उत्तर** — कारण, समय और क्या करें — तीनों के साथ
- **हिन्दी और English — दोनों में** — एक ही रिपोर्ट में
- **कुंडली-चक्र और गणनाएँ** — षोडशवर्ग, दशाएँ, वर्षफल, गोचर
- **कुंडली और हस्तरेखा का मिलान** — दोनों एक साथ
- **पूर्ण गोपनीयता** — आपकी जानकारी किसी से साझा नहीं

अपनी रिपोर्ट के लिए

**drgyanendrasharma.in**

WhatsApp · 90588 34744

॥ सर्वे भवन्तु सुखिनः ॥

SAMPLE